31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का राज्य के वित्त पर प्रतिवेदन के मुख्य शब्द

अध्याय 1: विहंगावलोकन

राज्य का प्रोफाइल, राज्य के वित्त पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का आधार एवं दृष्टिकोण, सरकारी लेखा संरचना एवं बजटीय प्रक्रियाओं का विहंगावलोकन, राजकोषीय शेष: घाटे और कुल ऋण लक्ष्यों की प्राप्ति, लेखापरीक्षा में जांच के बाद घाटा और कुल ऋण।

अध्याय 2: राज्य के वित्त

प्रमुख राजकोषीय संचय में मुख्य परिवर्तन, निधियों के स्रोत एवं उपयोग, राज्य के संसाधन, संसाधनों का अनुप्रयोग, लोक लेखा, लोक देयता प्रबंधन, ऋण स्थिरता विश्लेषण।

अध्याय 3: बजटीय प्रबंधन

बजट प्रक्रिया, विनियोग लेखे, बजटीय तथा लेखांकन प्रक्रिया की प्रामाणिकता, बजटीय और लेखांकन प्रक्रिया की प्रभावशीलता पर टिप्पणियां।

अध्याय 4: लेखों की गुणवत्ता और वित्तीय रिपोर्टिंग व्यवहार

ब्याज वहन करने वाले जमाओं के प्रति ब्याज के संबंध में देयता का निर्वहन न करना, बजट से बाहर उधार, राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों को सीधे अंतरित निधियां**,** स्थानीय निधियों की जमा राशि, उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने में विलंब, सार आकस्मिक बिल**,** व्यक्तिगत जमा खाते, लघु शीर्ष-800 का अविवेकी उपयोग, उचंत एवं प्रेषण के अंतर्गत बकाया शेष, विभागीय आंकड़ों का मिलान, नकद शेष का मिलान, लेखांकन मानकों की अनुपालना, लेखों के संकलन से संबंधित मामले, प्रमाणीकरण के लिए स्वायत्त निकायों के लेखों के प्रस्तुतीकरण में विलंब, लेखों को प्रस्तुत न करना/प्रस्तुत करने में विलंब, विभागीय रूप से प्रबंधित वाणिज्यिक गतिविधियां, लेखों की समयबद्धता और गुणवत्ता, दुर्विनियोग, हानियां, चोरी, इत्यादि, राज्य के वित्त पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों पर अनुवर्ती कार्रवाई।

अध्याय 5: राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम

लेखापरीक्षा अधिदेश, राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम तथा राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में उनका योगदान, राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में निवेश एवं बजटीय सहायता, राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों से रिटर्न, ऋण सर्विसिंग, हानि उठाने वाले राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम, निवेश के वर्तमान मूल्य के आधार पर रिटर्न, राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की लेखापरीक्षा, नियंत्रक-महालेखापरीक्षक द्वारा राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के सांविधिक लेखापरीक्षकों की नियुक्ति, राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों द्वारा लेखों का प्रस्तुतीकरण, नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का पर्यवेक्षण - लेखों की लेखापरीक्षा और अनुपूरक लेखापरीक्षा, नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की पर्यवेक्षण भूमिका का परिणाम, प्रबंधन पत्र।